सत्यमेव जयते

राज भवन, राँची

प्रेस विज्ञप्ति **दिनांक– 02 मई, 2018**

माननीया राज्यपाल–सह–राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को श्रेष्ठ व अच्छी शिक्षा सुलभ हो, पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला विकसित हो। सर्वत्र बेहतर शैक्षणिक माहौल हो, यह उनका आरंभ से ही प्रयास रहा है। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में सत्र नियमितीकरण की दिशा में सक्रियता से प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालयों में अकादमिक कैलेंडर के सृजन किया गया है। साथ ही खेल एवं सांस्कृतिक गतिविविधयों पर ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए तत्काल घंटी आधारित अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। साथ ही स्नातकोत्तर की परीक्षा में अपने–अपने विषय में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एक साल के लिए शिक्षण का कार्य कर सकते हैं। इस निमित्त उन्हें 15 हजार मासिक राशि भी देय है, पूर्व में यह मात्र 4 हजार था। राज्यपाल महोदया आज राज भवन में राँची, विनोबा भावे, सिदो कान्हु, नीलाम्बर–पीताम्बर, कोल्हान एवं बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के विगत वर्ष के स्नातक एवं स्नातकोत्तर की परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त स्थान करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डा. नितिन कुलकर्णी समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अन्य पदाधिकारीगण तथा अभिभावकगण उपस्थित थे।

राज्यपाल महोदया ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। वे अनुकरणीय माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ये विद्यार्थीगण कैसे उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने में सफल रहे, विश्वविद्यालय में क्या अच्छाईयाँ हैं और क्या सुधार की आवश्यकता है, इस पर उनके सुझाव विश्वविद्यालय हित में अच्छा मार्गदर्शन का कार्य करेगा। इस अवसर पर राज्यपाल महोदया ने सभी आगंतुक विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय में किस दिशा में और सुधार की आवश्यकता है, इस पर राय आमंत्रित की। विभिन्न विद्यार्थियों यथा– द्वारा विभिन्न बिन्दुओं पर दिये गये राय निम्नवत हैं–

- पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला विकसित हो।
- शिक्षण पद्धति और शोध का स्तर बेहतर व उच्च हो। विद्यार्थियों में अन्वेषणात्मक विचार विकसित करने की दिशा में प्रयास हो।
- छात्र–शिक्षक के बीच बेहतर संवाद कायम हो। कक्षायें नियमित हो, बिना ठोस वजह स्थगित न हो।
- शिक्षण संस्थान में बेहतर शैक्षणिक वातावरण हो। एक–दूसरे से सीखने की भावना हो। सभी बेहतर आचारण रखें। असाइनमेंट विद्यार्थियों को ससमय दिया जाय।
- डिबेट एवं सेमिनार सभी विद्यार्थी अनिवार्य रूप से सम्मिलित हो।
- बहुत–से विद्यार्थी हिन्दी माध्यम विद्यालय से पढ़ने वाले आते हैं। अंग्रेजी की आवश्यकता को देखते हुए अंग्रेजी संवाद कक्षा पृथक रूप से आयोजित किया जाय।
- विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में mock interview का आयोजन किया जाय ताकि विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने की दिशा में वास्तविक interview में अच्छा कर सकें।
- छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी शिक्षण संस्थानों में सुलभ कराई जाय।

राज्यपाल के प्रधान सचिव डा० नितिन कुलकर्णी ने स्वागत भाषण करते हुए कहा कि इन टॉपर्स विद्यार्थियों के सुझाव अन्य विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा। राज्यपाल महोदया के द्वारा इस अवसर पर कैप्टन रवीन्द्र कुमार चौधरी, एन.सी.सी. पदाधिकारी, एल.बी.एस.एम. कॉलेज, जमशेदपुर को सराहनीय सेवा हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।